रोल नं० | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

101

401 (IAA)

2014

हिन्दी

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर यथा संभव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जीवन–रथ के सुचारू संचालन के लिए उसके दोनों चक्रों का सुदृढ़ होना आवश्यक है। जिस प्रकार गाड़ी का कोई भी पहिया ढीला होने पर वह आगे नहीं बढ़ पाती है, उसी प्रकार मानव–जीवन की गाड़ी भी, नर व नारी में से किसी के भी सुस्त व आलसी हो जाने पर, ठहर जाती है, और उसका विकास अवरुद्ध हो जाता है। मानव–जीवन में सौन्दर्य तभी आ सकता है, जब पुरुष एवं महिला–दोनों समान गति से अपने पथ पर चलते रहें। परन्तु, जब यथार्थ के धरातल को देखा जाता है, तब यह ज्ञात होता है कि अभी विकासशील देशों के लोग इस मामले में पीछे हैं। इस संबंध में भारत के विषय में विचार करते समय तो निराशा ही हाथ लगती है। यहाँ नारी की स्थिति दयनीय है। यहाँ का पुरुष, साहस और पौरुष का प्रदर्शन करने में उतना सफल नहीं है, जितना विकसित देश का। वह नारी को ही दिन–रात श्रम करते रहने के लिए विवश कर देता है। इक्कीसवीं सदी की माँग है कि वह अपने कर्तव्य को अच्छी तरह पहचान ले।

(क) मानव–जीवन की गाड़ी किन स्थितियों में रुक जाती है ? 3

(ख) विकासशील देशों के लोग किन मामलो में किन से पीछे हैं ? 3

(ग) किस देश का पुरुष नारी को ही सतत श्रमनिरत कर देता है और क्यों ? 3

(घ) इक्कीसवीं सदी किससे क्या माँग कर रही है ? 3

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 3

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) प्राकृतिक आपदा और उत्तराखण्ड

(ख) राजनीति में अवसरवादिता

(ग) आतंकवाद – समस्या और समाधान

(घ) उत्तराखण्ड के प्रमुख तीर्थ स्थल

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

(क) इंटरनेट पत्रकारिता से क्या आशय है ? 1

(ख) फीचर क्या है ? 1

(ग) कहानी और नाटक में एक अंतर बताइये। 1

(घ) हिंदी के किन्हीं दो प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों का नामोल्लेख कीजिए। 1

(ङ) 'खोजी पत्रकारिता' का अर्थ बताइये। 1

4. 'दूरदर्शन के चैनलों की धूम' **अथवा** 'इंटरनेट का जमाना' पर लगभग 150 शब्दों में एक आलेख लिखिए। 5

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+2+2=6

(i) उहाँ राम लछिमनहि निहारी। बोले बचन मनुज अनुसारी।।
अर्ध राति गइ कपि नहिं आयउ। राम उठाइ अनुज उर लायऊ।।
सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ। बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ।।
मम हित लागि तजेहु पितु माता। सहेहु बिपिन हिम आतप बाता।।

(क) 'मनुज अनुसारी बचन' के अर्थ को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'कपि' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है। अर्द्ध रात्रि तक कपि का आगमन क्यों नहीं हो पाया है ?

(ग) 'सहेहु बिपिन हिम आतप बाता' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ii) जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए

(क) जन्म से ही अपने साथ कपास लाने का क्या अर्थ है ?

(ख) किनके पैर बेचैन हैं, और क्यों ?

(ग) 'दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने' का अर्थ बताइए।

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये : 2+2=4

जो मुझको बदनाम करे हैं काश वे इतना सोच सकें
मेरा परदा खोले हैं या अपना परदा खोले हैं

(क) उक्त काव्यांश में निहित भाव–सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) उक्त काव्यांश के भाषा पक्ष तथा शिल्प के सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2=4

(क) 'मैं निज उर के उद्‌गार लिये फिरता हूँ' पंक्ति के द्वारा कवि क्या कहना चाह रहा है ?

(ख) 'विप्लव–रव से छोटे ही हैं शोभा पाते,' से कवि का क्या आशय है ?

(ग) 'बहलाती सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है!!' – इस कथन से कवि के किस मंतव्य पर प्रकाश पड़ता है ?

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 2+2+2=6

(i) बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति– शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं।

(क) बाजार को सार्थकता प्रदान करने वाले व्यक्ति की विशेषता बताइए।

(ख) बाजार को मिलने वाली विनाशक शक्ति के लिए कौन जिम्मेदार है, और क्यों ?

(ग) बाजार के बाजारूपन को स्पष्ट कीजिए।

(ii) यद्यपि पुराने कवि बकुल के पेड़ में ऐसी दोलाओं को लगा देखना चाहते थे, पर शिरीष भी क्या बुरा है! डाल इसकी अपेक्षाकृत कमजोर जरूर होती है, पर उसमें झूलनेवालियों का वज़न भी तो बहुत ज्यादा नहीं होता। कवियों की यही तो बुरी आदत है कि वजन का एकदम ख्याल नहीं करते। मैं तुंदिल नरपतियों की बात नहीं कह रहा हूँ, वे चाहें तो लोहे का पेड़ बनवा लें।

(क) पुराने कवि बकुल के पेड़ में दोलाओं को क्यों लगा देखना चाहते थे ?

(ख) झूलनेवालियों की किस विशेषता के कारण शिरीष का कमजोर वृक्ष दोला लगाने के लिए उपयुक्त प्रतीत होता है ?

(ग) 'तुंदिल नरपति चाहें तो लोहे का पेड़ बनवा लें' इस कथन से लेखक के किस अभिप्राय की अभिव्यक्ति होती है ?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3+3=6

(क) भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था ? वह लोगों से अपना वास्तविक नाम क्यों छिपाती थी ?

(ख) 'काले मेघा, पानी दे' में इंदर सेना को मेढक मंडली क्यों कहा गया है ?

(ग) जाति प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का भी कारण कैसे बनती रही है?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2=4

(क) यशोधर बाबू का अपनी पत्नी और बच्चों से मतभेद क्यों होने लगा था ?

(ख) 'जूझ' शीर्षक के औचित्य पर विचार कीजिए।

(ग) पुरातत्व के किन चिह्नों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि 'सिंधु–सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।'

11. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी का सारांश लिखिए। 5

अथवा

'जूझ' शीर्षक आत्मकथात्मक उपन्यास का अंश विद्यार्थियों के लिए हमकदम हो सकता है। इस कथन का विवचेन कीजिये।

खण्ड – 'ब'

12. निम्नांकित गद्यांशं पठित्वा केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत : 2+2+2=6

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

आचार्य : – शोभनम् अस्ति। मंचसंचालनं संस्कृताध्यापकः करिष्यति। विद्यालयस्य वार्षिक–विवरणस्य प्रस्तुतीकरणम् अहं करिष्यामि। अपि च आगतानाम् अतिथीनां धन्यवादज्ञापनम् उपाचार्यः करिष्यति। इदानीं कार्यक्रमाणां विषये चर्चां कुर्मः। नवनीतः भवान् छात्रप्रमुखः अस्ति भवान् वदतु कः कः किं किं करिष्यति ?

(क) विद्यालयस्य वार्षिक विवरणस्य प्रस्तुतीकरणं कः करिष्यति ?

(ख) उपाचार्यः केषां धन्यवादज्ञापनं करिष्यति ?

(ग) छात्रप्रमुखः कः अस्ति ?

(घ) कः मंचसंचालनं करिष्यति ?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत : 2+2=4

(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

रे! रे! चातक सावधानमनसा मित्र! क्षणं श्रूयताम्
अम्भोदाः बहवो वसन्ति गगने सर्वेऽपि नैतादृशाः।
केचिद् वृष्टिभिरार्द्रयन्ति वसुधां गर्जन्ति केचिद् वृथा
यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रूहि दीनं वचः।।

(क) अंभोदाः कति संति ?

(ख) अंभोदाः कुत्र वसन्ति ?

(ग) यदा कदा के वृथा गर्जन्ति ?

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः **पञ्च** प्रश्नान् संस्कृत भाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×5=10

(निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

(क) प्रकृतिसमक्षम् अद्यापि कः वामनकल्पः अस्ति ?

(ख) वल्ली कं वेष्टयते ?

(ग) अरूणाचल प्रदेशे रूपग्रामे कौ निवसतः स्मः ?

(घ) उस्मतः पादपानां वर्णः कीदृशः भवति ?

(ङ) पंडित गोविन्दबल्लभपंतस्य उच्चशिक्षा कुत्र सम्पन्ना अभवत् ?

(च) कार्यं प्रारभ्य के विरमन्ति ?

(छ) युधिविक्रमः केषां हि प्रकृतिसिद्धम् वैशिष्ट्यम् अस्ति ?

(ज) लघुकायः मंडूकः किम् आरब्धवान् ?

15. निम्नांकित शब्द सूचीतः शब्दान् चित्वा **चत्वारि** वाक्यानि उत्तरपुस्तिकायां लिखत् – 1×4=4

(निम्नलिखित शब्दों में से चार शब्दों का संस्कृत में वाक्य प्रयोग कीजिए)

शब्द सूची– पादपाः, छात्रा, विद्यालयस्य, अस्ति, अगच्छत्, भविष्यन्ति, यदा, तत्र, कुत्र, कदा

16. (क) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरुत। 1
(समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिये।) : न्यायालय **अथवा** यथाशीघ्रम्

(ख) कारकस्य निर्देशनं कुरुत। (कारक का निर्देशन कीजिये।) : भूकंपस्य **अथवा** आरंभकाले 1

(ग) 'छात्रा' **अथवा** 'उत्तमजन' शब्दस्य द्वितीया विभक्तेः एकवचनस्य रूपं लिखित्। 1
('छात्रा' **अथवा** 'उत्तमजन' शब्द का द्वितीया विभक्ति के एक वचन का रूप लिखिए।) :

(घ) 'पठ' **अथवा** 'लिख्' धातोः लङ् लकारस्य उत्तम पुरुषस्य बहुवचनस्य रूपं लिखत। 1
('पठ' **अथवा** 'लिख' धातु का भूतकाल, उत्तम पुरुष, बहुवचन का रूप लिखिए।)

(ङ) (i) संधि कुरुत। (संधि कीजिए) : पुनः + अपि **अथवा** स्पर्शः + तेन 1
(ii) संधि–विच्छेदं कुरुत। (सन्धि विच्छेद कीजिए।) : सोऽहम् **अथवा** वृष्टिभिरार्द्रयन्ति 1

अथवा

अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायाम् तस्य अनुवादं कुरुत। 3+3=6

(कोई एक कंठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो, लिखिए और हिन्दी में उसका अनुवाद कीजिए।)

****